विनायक सुनलो करुण पुकार | by Astro Friend Deepak

विनायक सुनलो विनय पुकार
मेरे अब पूरण कीजे काज

महादेवा के सुत हो देवा
सब गण के गणपति हो देवा
करते हैं हम तेरी सेवा
भोग लगावे मोदक मेवा
पूरण कीजे काज .....
विनायक सुनलो.....

एक दन्त मूसे की सवारी
भक्तों के हित मंगलकारी
आएगी कब मेरी बारी
भव सागर के तारनहारी
नैया कर दो पार
विनायक सुनलो.....

लम्बोदर सो मोहक ना कोए
माला मुकुट सिंहासन सोहे
जिनपे कृपा इनकी होय
विघ्न अनिष्ट की चिंता खोये
ऐसे हैं गजराज
विनायक सुनलो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%95-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%81%e0%a4%a3-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-astro-frien/